सत्यमेव जयते
Government of India

Media Scanning & Verification Cell

Media alert from the Media Scanning & Verification Cell, IDSP-NCDC.

Alert ID	Publication Date	Reporting Date	Place Name	News Source/Publication Language
5702	15.01.2020	15.01.2020	**Amritsar Punjab**	Hari Bhumi Hindi Newspaper 15th January, 2020/Page No. 05
Title:	**50% of Jail inmates were found positive for Hepatitis-C in district Amritsar, Punjab**			
Action By CSU, IDSP –NCDC	Information communicated to DSU-Amritsar, SSU-Punjab			

जेल में काला पीलिया...50 फीसदी कैदियों को हेपेटाइटिस-सी

अमृतसर। सेहत विभाग जेल में कैदियों की हेल्थ सक्रीनिंग करा रहा है, जिसमें 50 प्रतिशत से करीब कैदी हेपेटाइटिस-सी यानी काला पीलिया से पीड़ित पाए जा रहे हैं। एक माह पहले शुरू हुए स्क्रीनिंग प्रोजेक्ट में अभी तक 160 कैदी हेपेटाइटिस-सी के पॉजीटिव पाए गए हैं। इन मरीजों का इलाज जेल में ही फ्री किया जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार हेपेटाइटिस-सी सामान्यतः

संक्रमित इंजेक्शन लगाने में इस्तेमाल होने वाली नीडल्स और रेजर या शेविंग उपकरणों के साझे उपयोग से होता है। लीवर में वायरल संक्रमण से होने वाली सूजन को हेपेटाइटिस कहते हैं। यह लीवर कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। 70-80% मरीजों में लक्षण नहीं दिखतेः सिविल अस्पताल के डॉ. मनजिंदर सिंह के अनुसार हैपेटाइटिस 5 प्रकार, ए, बी, सी, डी और ई, का होता है। हर साल भारत में लगभग ढाई लाख लोग इस बीमारी से मौत का शिकार बनते हैं। 70 से 80 फीसदी लोगों में हेपेटाइटिस के लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। इससे लीवर में सूजन हो जाती है। वजन भी कम होने लगता है। हैपेटाइटिस बी और सी लाखों लोगों में क्रॉनिक रोग फैलाते हैं और एक साथ मिलकर लीवर सिरोसिस और कैंसर का कारण बनते हैं। इससे पहले टीबी ने दिखाया था असरः इससे पहले जेल में टीबी के मरीजों की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिला था। वर्ष 2019 में तो पूरे साल में 27 केस टीबी के सामने आए, जिनमें से 21 का इलाज पूरा हो गया। उन्हें टीबी मुक्त कर दिया गया था। वहीं अभी 7 मरीजों में टीबी का इलाज चल रहा है।

एक महीने में 360 की स्क्रीनिंग, 160 पीड़ित

विभाग ने दिसंबर 2019 में एक प्राइवेट संस्था के साथ मिलकर जेलों में बंद कैदियों में से हेपेटाइटिस-सी के मरीजों को खोजने के लिए प्रोजेक्ट शुरू किया। सेहत विभाग बैरक और कमरों के अनुसार जेल में बंद कैदियों की स्क्रीनिंग कर रहा है। हर मरीज का सैंपल लेकर सिविल अस्पताल में जांच के लिए लाया जा रहा है। पिछले महीने शुरू हुए प्रोजेक्ट में अभी तक 360 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई और सैंपल लिए गए। इनमें से 160 मरीज पॉजीटिव आए हैं।

कैपेसिटी से अधिक कैदीः क्षमता 2260 की, इस वक्त 3400

2015 में पूर्व अकाली सरकार के समय नई केंद्रीय जेल को शुरू किया गया था। इसकी कैपेसिटी 2260 है, लेकिन यह हर समय ओवरलोड ही रही। इस वक्त भी यहां 3400 कैदी हैं। जेल के अत्यधिक भर जाने के कारण कुछ माह पहले कई कैदियों को फरीदकोट जेल में स्थानांतरित किया गया था। इतना ही नहीं इस जेल में गैंगस्टरों की बढ़ रही तादात के बाद भी कई कैदी दूसरी जेलों में भेजे गए थे, जिनमें से जग्गू भगवानपुरिया भी एक रहा।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जेल में काला पीलिया...50 फीसदी कैदियों को हेपेटाइटिस-सी

अमृतसर। सेहत विभाग जेल में कैदियों की हेल्थ सक्रीनिंग करा रहा है, जिसमें 50 प्रतिशत से करीब कैदी हेपेटाइटिस-सी यानी काला पीलिया से पीड़ित पाए जा रहे हैं। एक माह पहले शुरू हुए स्क्रीनिंग प्रोजेक्ट में अभी तक 160 कैदी हेपेटाइटिस-सी के पॉजीटिव पाए गए हैं। इन मरीजों का इलाज जेल में ही फ्री किया जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार हेपेटाइटिस-सी सामान्यतः

संक्रमित इंजेक्शन लगाने में इस्तेमाल होने वाली नीडल्स और रेजर या शेविंग उपकरणों के साझे उपयोग से होता है। लीवर में वायरल संक्रमण से होने वाली सूजन को हेपेटाइटिस कहते हैं। यह लीवर कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। 70-80% मरीजों में लक्षण नहीं दिखतेः सिविल अस्पताल के डॉ. मनजिंदर सिंह के अनुसार हैपेटाइटिस 5 प्रकार, ए, बी, सी, डी और ई, का होता है। हर साल भारत में लगभग ढाई लाख लोग इस बीमारी से मौत का शिकार बनते हैं। 70 से 80 फीसदी लोगों में हेपेटाइटिस के लक्षण नहीं दिखाई देते, इसलिए इसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। इससे लीवर में सूजन हो जाती है। वजन भी कम होने लगता है। हैपेटाइटिस बी और सी लाखों लोगों में क्रॉनिक रोग फैलाते हैं और एक साथ मिलकर लीवर सिरोसिस और कैंसर का कारण बनते हैं। इससे पहले टीबी ने दिखाया था असरः इससे पहले जेल में टीबी के मरीजों की संख्या में काफी इजाफा देखने को मिला था। वर्ष 2019 में तो पूरे साल में 27 केस टीबी के सामने आए, जिनमें से 21 का इलाज पूरा हो गया। उन्हें टीबी मुक्त कर दिया गया था। वहीं अभी 7 मरीजों में टीबी का इलाज चल रहा है।

एक महीने में 360 की स्क्रीनिंग, 160 पीड़ित

विभाग ने दिसंबर 2019 में एक प्राइवेट संस्था के साथ मिलकर जेलों में बंद कैदियों में से हेपेटाइटिस-सी के मरीजों को खोजने के लिए प्रोजेक्ट शुरू किया। सेहत विभाग बैरक और कमरों के अनुसार जेल में बंद कैदियों की स्क्रीनिंग कर रहा है। हर मरीज का सैंपल लेकर सिविल अस्पताल में जांच के लिए लाया जा रहा है। पिछले महीने शुरू हुए प्रोजेक्ट में अभी तक 360 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई और सैंपल लिए गए। इनमें से 160 मरीज पॉजीटिव आए हैं।

कैपेसिटी से अधिक कैदीः क्षमता 2260 की, इस वक्त 3400

2015 में पूर्व अकाली सरकार के समय नई केंद्रीय जेल को शुरू किया गया था। इसकी कैपेसिटी 2260 है, लेकिन यह हर समय ओवरलोड ही रही। इस वक्त भी यहां 3400 कैदी हैं। जेल के अत्यधिक भर जाने के कारण कुछ माह पहले कई कैदियों को फरीदकोट जेल में स्थानांतरित किया गया था। इतना ही नहीं इस जेल में गैंगस्टरों की बढ़ रही तादात के बाद भी कई कैदी दूसरी जेलों में भेजे गए थे, जिनमें से जग्गू भगवानपुरिया भी एक रहा।

Save Water- Save Life, Save a tree- Don't print unless it's really necessary!

Disclaimer:- This is a media alert subject to verification.

Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP), National Centre for Disease Control,
Ministry Of Health & Family Welfare, Government of India
22-Sham Nath Marg, Delhi – 110 054

For more information please contact: Media Scanning & Verification Cell: - Phone (011)23946029
Email: - idsp-msc@nic.in, idsp-npo@nic.in

Join us on http://www.facebook.com/pages/Media-Scanning-Verification-Cell-IDSPNCDC/137297949672921

https://twitter.com/MSVC1

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर